॥ ओ३म् ॥

INCLUSIVE AND QUALITY EDUCATION : CHALLENGES AND ISSUES

समावेशी और गुणात्मक शिक्षा : चुनौतियाँ और मुद्दे

मुख्य सम्पादक :

डॉ. राजेन्द्र कुमार गोदारा

सम्पादिका :

डॉ. रेखा सोनी

सम्पादक :

डॉ. नरेश सिहाग एडवोकेट

समावेशी और गुणात्मक शिक्षा : चुनौतियाँ और मुद्दे
Inclusive and Quality Education : Challenges and Issues

ISBN - 978-81-936150-4-1

Published by :
Gugan Ram Educational & Social Welfare Society (Regd.)
202, Old Housing Board,
Bhiwani-127021 (Haryana) INDIA
Email : ginapk222@gmail.com
Website : www.grngo.org
WhatsApp : 9466532152

All Right Reserved by Publisher & Editor

Price : 501/-

Printed by : MANBHAWAN PRINTERS, Old Bus Stand Road, Naya Bazar, Bhiwani (Hry)

22	सामावेशी शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व	देवेश कुमार भारती	79–80
23	समावेशी शिक्षा के विभिन्न आयाम : योग शिक्षा के विशेष परिप्रेक्ष्य में	प्रताप कुमार पाण्डेय	81–83
24	समावेशी शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व	डॉ. अरविन्द यादव	84–86
25	उच्च शिक्षा में चुनौतियाँ एवं समाधान	डॉ वंदना बरमेचा	87–89
26	समावेशी शिक्षा के विविध आयाम	खुशवन्त माली	90–92
27	समावेशी शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व	श्रीमती मंजू साहू	93–94
28	सुविधा वंचित वर्ग अल्पसंख्यक व पिछड़ी जातियों मे शिक्षा	डॉ0 अनिल कुमार	95–100
29.	जीवन कौशल शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास	डॉ. संगीता आर्य	101–104
30.	Special Education : Policy Perspective in India	Dr.Yudhister	105–107
31.	समावेशी शिक्षा राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में	खुशवन्त कुमार माली	108–111
32.	समावेशी शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व	पुरूषोतम	112–114
33.	समावेशी शिक्षा हेतु विद्यालयी तैयारियाँ	मुरारीलाल	115–118
34.	उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए ई– प्रौद्योगिकी	रामधन	119–122
35.	Issues of newly added categories of disabilities and inclusion	Dr. Neeru Gupta	123–129
36.	समावेशी शिक्षा की आवश्यकता और महत्व	डॉ. गीता तिवारी	129–131
37.	Personality Development through Life Skill Education	Sudhi Gandhi	132-136
38.	HIGHER EDUCATION: NEED AND IMPORTANCE	Jagdeep Singh	137-139
39.	Inclusive Education in India : Concept, Challenges and Suggestions	Dr.Anita Rani	140-143
40.	उच्च शिक्षा : चुनौतियाँ एवं मुद्दे	रेखा रानी	144–145

ISBN : 978-81-936150-4-1

समावेशी शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व

...समावेशी शिक्षा एक शिक्षा प्रणाली है। शिक्षा का समावेशीकरण यह बताता है कि विशेष शैक्षणिक आवश्यकताओं ...के लिए एक सामान्य छात्र और एक दिव्यांग छात्र को समान शिक्षा प्राप्ति के अवसर मिलने चाहिए। इसमें एक ...छात्र एक दिव्यांग छात्र के साथ विद्यालय में अधिकतर समय बिताता है। पहले समावेशी शिक्षा की परिकल्पना ...विशेष छात्रों के लिए की गई थी। लेकिन आधुनिक काल में हर शिक्षक को एक सिद्धांत को विस्तृत दृष्टिकोण में ...कक्षा में व्यवहार में लाना चाहिए।

...शी शिक्षा की आवश्यकता :–

समावेशी शिक्षा या एकीकरण के सिद्धांत की ऐतिहासिक जड़े कनाडा तथा अमेरिका से जुड़ी है। प्राचीन शिक्षा ...की जगह नई शिक्षा पद्धति का प्रयोग आधुनिक समय में होने लगा है। समावेशी शिक्षा विशेष विद्यालय या कक्षा ...स्वीकार नहीं करता। अशक्त बच्चों को सामान्य बच्चों से अलग करना अब मान्य नहीं होगा। विकलांग बच्चों को भी ...य बच्चों की तरह ही शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने का अधिकार है।

साधारणतः छात्र एक कक्षा में अपनी आयु के हिसाब से रखे जाते हैं, चाहे उनका अकादमिक स्तर उच्चा या नीचा ...न हो। शिक्षक सामान्य तथा दिव्यांग सभी बच्चों से एक जैसा व्यवहार करते हैं। अशक्त बच्चों की मित्रता अक्सर ...य बच्चों के साथ करवाई जाती है ताकि ऐसे ही समूह समुदाय बनता है। यह दिखाया जाता है कि एक समूह दूसरे ...कम नहीं हैं। ऐसे वर्ताव से सहयोग की भावना बढ़ती है।

समावेशी शिक्षा में दल (समूह) कार्य योजना द्वारा सामान्यतः व्यवहार में आने वाली समावेशी प्रथाएं प्रचलित की ...हैं। एक शिक्षा, एक सहयोग इस मॉडल में एक शिक्षक, शिक्षा देता है तथा दूसरा प्रशिक्षित शिक्षक विशेष छात्र की ...आवश्यकताओं को और कक्षा को सुव्यवस्थित रखने में सहयोग करता है। इस समूह योजना में एक शिक्षा देता है दूसरा ...का निरीक्षण करता है। इसमें कक्षा को अनेक भागों में बाँटा जाता है। मुख्य शिक्षक शिक्षण कार्य करता है। दूसरा ...शिक्षक दूसरे दलों पर इसी की जांच करता है। इस समूह में आधी कक्षा को मुख्य शिक्षक तथा आधी को विशिष्ट ...प्राप्त शिक्षक शिक्षा देता है। दोनों समूहों को एक जैसा पाठ पढ़ाया जाता है। समावेशी शिक्षा में मुख्य शिक्षक अधिक ...को पढ़ा पाता है। शिक्षक अधिक छात्राओं को पाठ पढ़ाता है, जबकि विशिष्ट शिक्षक छोटे समूह को दूसरा पाठ ...ता है। समूह शिक्षा पारंपरिक शिक्षा पद्धति है। दोनों शिक्षक योजना बनाकर शिक्षा देते हैं। यह बहुत ही सफल शिक्षण ...ती है।

...वेशी शिक्षा का महत्व :–

समावेशी शिक्षा प्रत्येक बच्चें के लिए उच्च और उचित उम्मीदों के साथ उसकी व्यक्तिगत शक्तियों का विकास ...ती है। यह शिक्षा अन्य छात्रो को अपनी उम्र के साथ कक्षा के जीवन में भाग लेने और व्यक्तिगत इकाईयो पर काम ...ने हेतु अभिप्रेरित करती है। यह शिक्षा बच्चों को उनके शिक्षा के क्षेत्र में और उनके स्थानीय स्कूलों की गतिविधियों ...उनके माता–पिता को भी शामिल करने की वकालत करती है। समावेशी शिक्षा सम्मान तथा अपनेपन की स्कूल ...संस्कृति के साथ–साथ व्यक्तिगत मतभेदों को स्वीकार करने के लिए भी अवसर प्रदान करती है। समावेशी शिक्षा अन्य

बच्चों अपने स्वयं के व्यक्तिगत आवश्यकताओं तथा क्षमताओं के साथ प्रत्येक का एक व्यापक विविधता के साथ दोस्ती का विकास करने की क्षमता विकसित करती है।

उपसंहार :–

इस प्रकार कुल मिलाकर यह समावेशी शिक्षा समाज के सभी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की बात का समर्थन करती है। यह सही मायने में सर्व शिक्षा जैसे शब्दों का ही रूपांतरित रूप है जिसके कई उद्देश्यों में से एक उद्देश्य है विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा। परंतु दुर्भाग्यवश हम सब इसके लिए विस्तृत अर्थ को पूर्ण तरीके से समझने की कोशिश न करते हुए, इस समावेशी शिक्षा का अर्थ प्रमुखता से केवल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा से ही लगाते हैं, जो कि सर्वथा ही अनुचित जान पड़ता है क्योंकि समावेशी शिक्षा का एक उद्देश्य तो "विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा" से हो सकता है, लेकिन इसका संपूर्ण उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा कदापि भी नहीं हो सकता है।

–श्रीमती मंजू साहू, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग
डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय,
करगी रोड कोटा, बिलासपुर (छ. ग.)